ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 14 जुलाई 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 99

जलेबी और समोसा, बिना चेतावनी नहीं मिलेंगे बाजार में !

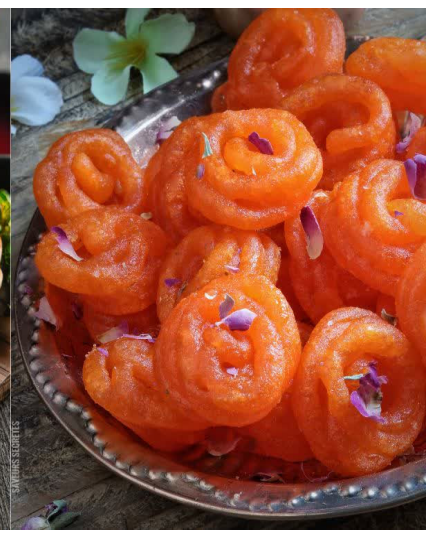

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्लीः जल्द ही जलेबी खाने के साथ अपराधबोध भी हो सकता है और शाम के समोसे के साथ स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी भी दी जा सकती है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में विभिन्न स्थानों पर स्वस्थ आहार संबंधी आदतों को बढ़ावा देने के लिए चीनी और तेल बोर्ड लगाने का प्रस्ताव दिया है.

मंत्रालय के प्रस्ताव के अनुसार, इस तरह के बोर्ड स्कूलों, कार्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों और अन्य जगहों पर लगाए जाएंगे, ताकि लोगों को यह जानकारी मिल सके कि इस आइटम में तेल और चीनी की कितनी मात्रा है. इनमें कितना वसा है, यह जानकारी मिल सकेगी.

शिवसेना सांसद मुरली देवड़ा ने एएनआई से कहा, "जलेबी, समोसा जैसे अनहेल्दी फूड पदार्थों पर अधिक कड़े नियम लगाना एक स्वागत योग्य कदम है."

मुरली देवड़ा उस पार्लियामेंट सब-ऑर्डिनेट लेजिस्लेटिव कमेटी के चेयरमैन हैं, जो इस विषय पर विचार कर रही है. देवड़ा ने कहा कि कमेटी FSSAI एजेंसी के साथ मिलकर विचार कर रही है. उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य यह है कि भारत में औसत उपभोक्ता अपने परिवार के सदस्यों के लिए किसी भी खाद्य उत्पाद को खरीदते समय अधिक सोच-समझकर चुनाव कर सके. इसके लिए खाद्य नियामक संस्था को अधिक कठोर होना पड़ सकता है."

उन्होंने कहा कि हमने स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ भी बैठक की है और कुछ बैठकों में हमने सिफारिश की है कि यदि आप नियमन करना चाहते हैं और खपत पर अंकुश लगाना चाहते हैं, तो आप उपभोक्ताओं को समोसा और जलेबी जैसे खाद्य पदार्थों से जुड़ी अस्वास्थ्यकर सामग्री के बारे में जागरूकता फैलाइए. इसी तरह से हमें पश्चिमी खाद्य पदार्थों के साथ भी करना चाहिए, जिनमें पिज्जा, बर्गर, डोनट्स वगैरह शामिल हैं.

देवड़ा ने कहा कि यदि हम ऐसा नहीं कर पाते हैं तो बराबरी का मौका नहीं मिलेगा और गली-मोहल्लों में जलेबी-समोसे बेचने वाले छोटे दुकानदारों की बिक्री पर बुरा असर पड़ेगा. राज्यसभा सांसद मुरली देवड़ा ने कहा, "राज्य और केंद्र सरकारों ने सिगरेट पर भारी कर लगा रखे हैं, फिर भी लोग धूम्रपान करते हैं. सरकार केवल लोगों को हतोत्साहित करने के लिए ही नियम बना सकती है... प्रोसेस्ड पैकेज्ड जूस, फलों के जूस नहीं हैं. ये चीनी वाले पेय हैं. उस पेय और कोका-कोला में कोई अंतर नहीं है. कुछ अध्ययनों में कहा गया है कि कोका-कोला उन पेय पदार्थों से ज़्यादा स्वास्थ्यवर्धक है... मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी और हमारे ऊर्जावान स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के नेतृत्व में, जल्द ही भारत के खाद्य क्षेत्र में भारतीय और पश्चिमी जंक फ़ूड पर नियंत्रण हो जाएगा..."

नागपुर से शुरू किया जाएगा

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह अभियान सबसे पहले नागपुर में शुरू किया जाएगा, जहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स नागपुर) इस पहल के लिए पायलट स्थल के रूप में काम करेगा. कैफेटेरिया और सार्वजनिक भोजन स्थलों पर भोजन काउंटरों के पास चमकीले, आसानी से पढ़े जा सकने वाले चेतावनी बोर्ड प्रदर्शित किए जाएंगे.

क्यों उठाया गया यह कदम?

भारत में बढ़ते स्वास्थ्य संकट की वजह से मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के बढ़ते मामलों के साथ, सरकार अपना ध्यान इस ओर केंद्रित कर रही है ताकि लोगों की थाली में क्या है, इसके बारे में वे जान सकें. तले हुए और मीठे स्नैक्स का बार-बार सेवन इसका एक बड़ा कारण है. द लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित एक वैश्विक विश्लेषण के अनुसार 2050 तक, अनुमानित 44 करोड़ भारतीय अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं.

प्रतिबंध नहीं लगा है

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह पारंपरिक खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध नहीं है. समोसे और जलेबी अभी भी उपलब्ध रहेंगे, लेकिन उपभोक्ताओं को इस बारे में सूचित किया जाएगा कि वे क्या खा रहे हैं. इसका उद्देश्य संयम को बढ़ावा देना है, प्रतिबंध नहीं है.

चांदी 1,13,867 के ऑल टाइम हाई परःआज 3,577 का उछाल, इस साल 28,000 बढ़े दाम; सोना भी 792 महंगा हुआ

24 न्यूज अपडेट

चांदी की कीमत लगातार दूसरे दिन ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार सोमवार, 14 जुलाई को एक किलो चांदी की कीमत 3,577 रुपए बढ़कर 1,13,867 रुपए पर पहुंच गई है। शुक्रवार (11 जुलाई) को यह 1,10,290 रुपए प्रति किलो पर थी। जो इसका ऑल टाइम हाई था।

वहीं, 24 कैरेट सोने के दाम में भी आज तेजी है। ये 792 रुपए महंगा होकर 98,303 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। शुक्रवार (11 जुलाई) को सोने का दाम 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इससे पहले 18 जून को सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सेंसेक्स 247 अंक गिरकर 82,253 पर बंदःनिफ्टी भी 68 अंक लुढ़का; IT शेयर्स फिसले, बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में खरीदारी

पिछले हफ्ते 933 अंक गिरा था शेयर बाजार

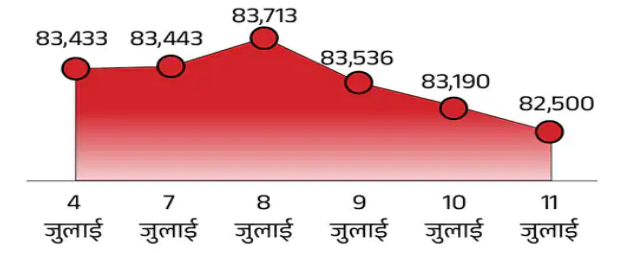

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार, 14 जुलाई को सेंसेक्स 247 अंक गिरकर 82,253 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 68 अंक की गिरावट रही, ये 25,082 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 नीचे हैं। इंफोसिस, एशियन पेंट्स और टेक महिंद्रा के शेयर्स 2% तक गिरकर बंद हुए। इटरनल, टाइटन और महिंद्रा के शेयरों में मामूली तेजी रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 27 नीचे, 22 ऊपर और 1 बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। NSE के IT इंडेक्स में सबसे ज्यादा 1.11% की गिरावट रही। मीडिया, फार्मा, बैंकिंग, रियल्टी, हेल्थकेयर और FMCG शेयर्स चढ़कर बंद हुए।

सावन का पहला सोमवार आजःराजस्थान के शिव मंदिर में 151 किलो घी से अभिषेक, काशी विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए 1 सेकेंड का वक्त

24 न्यूज अपडेट

सावन महीने का आज पहला सोमवार है। सभी ज्योतिर्लिंगों के अलावा देश के छोटे-बड़े सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक जारी है। रविवार रात से ही मंदिरों के बाहर भक्तों की भीड़ जमा है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के तड़के सुबह 2.30 बजे मंदिर के कपाट खोले गए। यहां हजारों श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे हैं। सावन महीने में यहां 80 लाख लोगों के आने का अनुमान है।

राजस्थान के जयपुर में चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर में सुबह 3 बजे भगवान भोलेनाथ का 151 किलो गाय के घी से अभिषेक किया गया है। महंत शक्ति व्यास ने बताया- 3100 किलो आम से मंदिर की सजावट की गई है।

यूपी के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती हुई। रात से ही दर्शन जारी हैं। मंदिर के बाहर कांवड़ियों की 3 KM लंबी लाइन है। बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए केवल 1 सेकेंड का समय मिल रहा है।

राजस्थान के 5 शहरों में आयकर की टीम के छापेःआयकर रिटर्न में छूट के बोगस दावे कर लोगों से रिटर्न भरवा रहे थे

24 न्यूज अपडेट

आयकर विभाग ने आज राजस्थान के पांच शहरों में छापेमारी की। आयकर विभाग की कार्रवाई राजस्थान में 5 जगह टैक्स सलाहकारों के 11 ठिकानों पर की गई। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीमों ने ठिकानों पर सर्च कर अहम डॉक्युमेंट व डिजीटल डिवाइस को जब्त किया है। विभाग की ओर से आयकर रिटर्न में छूट के बोगस दावे करने वालों पर देशभर में जांच की जा रही है।

इनकम टैक्स सूत्रों के मुताबिक, बड़ी संख्या में इनकम टैक्स रिटर्न में लोगों की ओर से विभाग को गलत इनफॉरमेशन दी गई। इनकम टैक्स की ओर से दी जाने वाली छूट के लिए गलत दावे पेश किए गए। इनकम टैक्स डिपॉर्टमेंट के पास सेट्रलाइज सिस्टम से रिटर्न में गलत इनफॉरमेशन देने की जानकारी हाथ लगी। जांच में पता चला कि फेक डोनेशन और विभिन्न धाराओं में मिलने वाली छूट को लेकर बोगस दावे कर रिटर्न फाइल की गई।

विभाग ने जारी किए नोटिस

आयकर विभाग की ओर से आयकर रिटर्न में छूट के बोगस दावे करने वाले करदाताओं की लिस्ट बनाई गई। लिस्ट के आधार पर विभाग की ओर से देशभर में जांच शुरू की गई। गलत इनफॉरमेशन देने वाले हजारों करदाताओं को विभाग की ओर से रिटर्न रिवाइज करवाने का नोटिस भी जारी किए गए।

लीड मिलने पर ठिकानों पर छापे

जांच में आयकर विभाग की टीम को बोगस दावों से करदाताओं को रास्ता दिखाने वाले टैक्स सलाहकारों की लीड मिली। विभाग की ओर से देशभर में टैक्स सलाहकारों के ठिकानों पर सोमवार को छापेमारी की कार्रवाई की गई। राजस्थान के जयपुर, कोटा, भीलवाड़ा, अजमेर और चित्तौड़गढ़ में टैक्स सलाहकारों के 11 ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम ने रेड की। इनकम टैक्स छापेमारी में टीम को जालसाजी के कुछ अहम डॉक्यूमेंट और डिजीटल डिवाइस हाथ लगी है। आयकर जांच में जल्द ही बड़े खुलासे होने की संभावना है।

भीलवाड़ा में खुद को सीए बताने वाले युवक के घर रेड

भीलवाड़ा के तिलक नगर की गली नंबर 5 में राजेश खोईवाल के मकान पर आईटी टीम रेड डाली। राजेश खुद को सीए बताता था और लोगों के रिटर्न भरने का काम करता था। साथ ही इनकम टैक्स के काम काज भी देखता था ।

कल से आधार OTP से बुक होंगे तत्काल टिकटःपहले 30 मिनट एजेंट्स नहीं कर पाएंगे बुकिंग; आम यात्रियों को टिकट आसानी से मिलेगा

24 न्यूज अपडेट

भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में बड़े बदलाव किए हैं। कल 15 जुलाई 2025 से बुकिंग करने के लिए IRCTC की वेबसाइट या एप पर आधार ऑथेंटिकेशन जरूरी होगा।

इसके अलावा, ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार नंबर से जुड़ा OTP भी लगेगा। इन बदलावों का मकसद टिकट बुकिंग में पारदर्शिता लाना और दलालों या फर्जी एजेंट्स की मनमानी पर रोक लगाना है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची 'उदयपुर फाइल्स': दिल्ली हाईकोर्ट की रोक के खिलाफ अर्जेंट सुनवाई की मांग, फिल्म की रिलीज पर फैसला जल्द

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली/उदयपुर. टेलर कन्हैयालाल की निर्मम हत्या पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज को लेकर कानूनी पेंच और तेज हो गया है। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा 12 जुलाई को प्रस्तावित फिल्म रिलीज पर अंतरिम रोक लगाने के बाद अब निर्माता पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट गौरव भाटिया ने इस मामले में अर्जेंट सुनवाई की मांग करते हुए तर्क दिया कि सभी सिनेमाघरों की बुकिंग पूरी हो चुकी है और रिलीज की सारी तैयारियां अंतिम चरण में थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका स्वीकार की, जल्द होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

हालांकि, एडवोकेट भाटिया द्वारा 15 जुलाई को सुनवाई की अपील किए जाने पर कोर्ट ने बुधवार या किसी अन्य उपयुक्त दिन सुनवाई की बात कही।

सुनवाई के दौरान गौरव भाटिया ने कोर्ट को बताया कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से पास मिल चुका है और CBFC प्रमाणपत्र मौजूद है। उन्होंने बताया कि दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश फिल्म रिलीज से एक दिन पहले रात 8 बजे आया, जिससे फिल्म निर्माता और थिएटर मालिकों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने इसे मौलिक अधिकारों के उल्लंघन से जोड़ते हुए सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की।

क्यों बढ़ा विवाद? हाईकोर्ट तक पहुंचा मामला

फिल्म 'उदयपुर फाइल्स', 28 जून 2022 को उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल की गला काटकर हत्या की घटना पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही यह विवादों में आ गई। हत्याकांड के आरोपी मोहम्मद जावेद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर फिल्म की रिलीज पर रोक की मांग की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया था। बाद में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और अन्य ने दिल्ली हाईकोर्ट में नई याचिकाएं दायर कीं, जिनमें कहा गया कि फिल्म के संवेदनशील दृश्य और संवाद सांप्रदायिक तनाव फैला सकते हैं। 11 जुलाई को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच (जस्टिस डी.के. उपाध्याय और जस्टिस अनीश दयाल) ने अंतरिम आदेश जारी कर फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी।

फिल्म से जुड़े तथ्य और मामला

'उदयपुर फाइल्स' उस घटना पर आधारित है, जिसमें कन्हैयालाल की सोशल मीडिया पर इस्लाम विरोधी पोस्ट साझा करने के बाद गौस मोहम्मद और मोहम्मद रियाज अत्तारी ने सार्वजनिक रूप से हत्या कर दी थी। NIA ने इस मामले को आतंकवादी घटना मानते हुए जांच शुरू की और यूएपीए (UAPA) सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। अब तक 11 आरोपियों पर चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, जिनमें से कई का संबंध पाकिस्तान से संचालित आतंकी नेटवर्क से बताया गया है। फरार आरोपियों में सलमान और अबू इब्राहिम का नाम भी शामिल है, जो कराची निवासी बताए गए हैं। वाराणसी में भी अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद के सचिव और शहर के मुफ्ती ने जिलाधिकारी व पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर फिल्म की रिलीज पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि फिल्म में ज्ञानवापी विवाद और नूपुर शर्मा के बयान जैसे विषयों को भी फिल्माया गया है, जिससे शांति भंग हो सकती है।

संपादकीय : अनसुलझे सवाल

गुजरात के अहमदाबाद में बीते जून माह में हुए विमान हादसे की प्रारंभिक जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रपट में कहा गया है कि दुर्घटना से ठीक पहले विमान के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच बंद हो गए थे, जिससे पायलटों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। भ्रम इस बात का कि स्विच किसने बंद किए। यह तकनीकी खराबी के कारण हुआ या किसी की गलती से, रपट में इसका कोई उल्लेख नहीं है। यानी हादसे के एक कारण का तो पता चल गया, लेकिन इस कारण के पीछे असल वजह क्या थी, यह सवाल अब भी अनुत्तरित है। एअर इंडिया के बोइंग 787 डीमलाइनर विमान में सवार 242 लोगों में से एक को छोड़कर बाकी सभी की इस हादसे में मौत हो गई थी। इस दुर्घटना के बाद कई सवाल खड़े हुए हैं, जिनका जवाब इसलिए भी तलाशना जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी किसी बड़ी त्रासदी को रोकने के पुख्ता बंदोबस्त किए जा सकें। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) की रपट के अनुसार, एअर इंडिया के इस विमान के उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद इसके दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है) अचानक बंद हो गए थे। इसकी पुष्टि घटना के वक्त ' काकपिट वायस रेकार्डिंग' में पायलट और सह- पायलट की आपसी बातचीत से हुई है। जांच रपट में कहा गया है कि बातचीत के दौरान एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि ईंधन की आपूर्ति क्यों बंद की गई, तो जवाब मिला कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। इससे साफ है कि हादसे से पहले विमान के दोनों इंजन ने काम करना बंद कर दिया था। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच एक साथ बंद कैसे हो गए। नियमानुसार उड़ान से पहले विमान की तकनीकी जांच की जाती है और सभी मानकों पर संतोषजनक रपट के बाद ही उड़ान की अनुमति दी जाती है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वभाविक है कि अगर एअर इंडिया के इस विमान में कोई तकनीकी खराबी थी, तो वह उड़ान से पहले की जांच के दौरान पकड़ में क्यों नहीं आई? हादसे की आगे की जांच में इन आशंकाओं से जुड़े सवालों को भी शामिल करने की जरूरत है। जांच रपट का दूसरा पहलू यह है कि कहीं अनजाने में पायलट की गलती से ईंधन नियंत्रण स्विच बंद तो नहीं हुए थे हालांकि, रपट में विमान के पायलटों की गलती की ओर स्पष्ट रूप से कोई संकेत नहीं किया गया है। वहीं, विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि पायलटों द्वारा ईंधन स्विच को अनजाने में चालू या बंद करने की संभावना बहुत कम होती है, क्योंकि स्विच में एक छोटा 'मैकेनिकल गेट' लगा होता है। रपट में कहा गया है कि दोनों पायलटों ने इंजनों को फिर से चालू करने की कोशिश की, लेकिन एक इंजन ही ठीक हो पाया, जबकि दूसरा गति बढ़ाने के लिए पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न नहीं कर पाया। यानी पायलटों ने उस नाजुक घड़ी में हार नहीं मानी थी और उन्होंने वह हर कोशिश की जो संभव थी। इसके अलावा विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने इस हादसे के पीछे किसी साजिश की आशंका को भी अभी तक दरकिनार नहीं किया है। वैसे भी जिस तरह से यह पूरा घटनाक्रम सामने आया है, उसमें हर पहलू की गहन जांच होनी चाहिए और हर जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए।

हिंसक होते बच्चे

इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि जिन बच्चों को देश और समाज का भविष्य माना जाता है, आज उनमें से कई इस रूप में सामने आ रहे हैं जिसके समाज पर व्यापक प्रतिगामी प्रभाव पड़ने वाले हैं। मौजूदा समय में बच्चों के बीच पलती-बढ़ती हिंसा के कई बार चिंताजनक रूप में अभिव्यक्त होने की घटनाओं को इक्का-दुक्का बता कर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत है कि नकारात्मक प्रवृत्तियां कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों के बीच तेजी से अपनी जगह बनाती हैं और उसका व्यापक असर समाज पर पड़ता है। सवाल है कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसा क्या हुआ है कि जिन बच्चों की उम्र पढ़ने और खेलने की होती है घर-परिवार से लेकर स्कूल तक के अग्रजों, अभिभावकों, बुजुगों, शिक्षकों की सलाह से एक बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाने की होती है, वे किसी मामूली बात पर बेकाबू हो रहे हैं कुछ बच्चे साधारण बातों पर आक्रामक होकर प्रतिक्रिया देने लगे हैं या उनमें से कई अपनी बेहतरी के लिए खुद में सुधार करने की सलाह देने वाले शिक्षक की हत्या करने से भी नहीं हिचकते हैं। गौरतलब है कि हरियाणा के हिसार में पिछले हफ्ते एक स्कूल के प्रधानाचार्य की वहीं पढ़ने वाले दो बच्चों ने चाकू मार कर हत्या कर दी। खबरों के मुताबिक, इसका कारण सिर्फ यह था कि प्रधानाचार्य ने उन बच्चों को अपने लंबे बाल कटवाने और स्कूल में अनुशासन का पालन करने को कहा था। यह एक सामान्य बात रही है कि स्कूलों के अध्यापक न केवल कथाओं में पढ़ाते हैं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व को बेहतर बनाने के लिए जरूरी सलाह भी देते रहे हैं। इसका समाज पर बेहद सकारात्मक असर भी साफ दिखता था। मगर आज इन्हीं बातों पर कुछ छात्र प्रतिक्रिया में आपराधिक रास्ता तक अख्तियार कर ले रहे हैं। क्या यह स्मार्टफोन या अन्य संसाधनों के जरिए आभासी संसार में डूबे रहने की बढ़ती अवधि और अन्य कुछ वजहों से सोचने-समझने की प्रक्रिया के शिथिल होने का नतीजा है कि बच्चों के भीतर हिंसक प्रवृत्तियों का विकास हो रहा है और वे अपने हित को लेकर विवेक के उपयोग को लेकर उदासीन हो रहे हैं ? जाहिर है, यह समय रहते समूचे समाज के लिए चेतने और जरूरी पहल करने का वक्त है।

सावन के पहले सोमवार पर महाकालेश्वर मंदिर में गूंजे जयकारे, भगवान आशुतोष ने किया रजत पालकी में भ्रमण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सावन के पहले सोमवार को भगवान महाकालेश्वर मंदिर भक्ति और आस्था से सराबोर नजर आया। तड़के से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट गई। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों के बीच भगवान आशुतोष के विग्रह स्वरूप ने रजत पालकी में सवार होकर मंदिर परिसर में भव्य भ्रमण किया।

भोर से शुरू हुआ

जलाभिषेक और विशेष पूजन सुबह होते ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने गर्भगृह के बाहर से जलाभिषेक किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ लघुरुद्र पाठ द्वारा भगवान का अभिषेक हुआ। पार्थिव शिवलिंग की पूजा और अनुष्ठान भी पूरे दिन चलते रहे।

रजत पालकी में भगवान आशुतोष का श्रृंगार और भ्रमण

सुबह 11:15 बजे भगवान को अर्द्धनारीश्वर स्वरूप का श्रृंगार धराया गया। इसके बाद विग्रह स्वरूप को रजत पालकी में विराजित कर पूजा-अर्चना की गई। दोपहर ठीक 12:15 बजे आरती के साथ पालकी भ्रमण शुरू हुआ। सबसे पहले पालकी को गर्भगृह में विराजित भगवान महाकालेश्वर के सम्मुख ले जाकर झुलाया गया। फिर मंदिर परिसर में जयकारों के बीच भ्रमण हुआ। भक्तों के उत्साह का आलम ये था कि ढोल-नगाड़ों की धुन पर महिलाएं भक्तिभाव में झूमकर नृत्य कर रही थीं। वहीं चारों ओर हर-हर महादेव के नारे गूंज रहे थे।

सरकारी स्तर पर हुआ रुद्राभिषेक

सुबह 10 बजे प्रदेश सरकार की ओर से सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग जतीन गांधी की अगुवाई में रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। इसमें विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी सावन के पहले सोमवार को ही 4 अगस्त को निकलने वाली शाही सवारी का पोस्टर भी जारी किया गया। पोस्टर विमोचन के साथ ही तैयारियों ने जोर पकड़ लिया। प्रन्यास अध्यक्ष तेजसिंह सरूपरिया और सचिव चन्द्रशेखर दाधीच की उपस्थिति में श्रद्धालुओं ने पोस्टर का स्वागत किया। अब शहरभर में जगह-जगह पोस्टर लगाए जाएंगे और ऑटो रिक्शा पर भी यात्रा का प्रचार किया जाएगा।

गोवंश तस्करी मामले में हाईकोर्ट सख्तः बांसवाड़ा कलेक्टर के वाहन छोड़ने के आदेश पर रोक, तीन थानों से जवाब तलब, 52 में से कई गाड़ियां गायब, मृत गोवंश के बावजूद जुर्माना लगाकर की गई रिहाई पर सवाल

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, बांसवाड़ा। बांसवाड़ा से गुजरते हुए पकड़ी गई गोवंश से भरी दर्जनों गाड़ियों को लेकर हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। जिला कलेक्टर द्वारा गाड़ियों को कम जुर्माने पर सुपुर्दगीनामे पर छोड़ने के आदेश पर राजस्थान हाईकोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है और संबंधित थानाधिकारियों व कलेक्टर से जवाब तलब किया है। मामले की शुरुआत 13 अप्रैल की रात हुई जब नागौर के पशु मेले से रवाना होकर गोवंश से भरा 52 वाहनों का काफिला बांसवाड़ा क्षेत्र से गुजरा। पुलिस ने इसे गृह विभाग की अनुमति पर आधारित बताते हुए आगे बढ़ने दिया, लेकिन मध्यप्रदेश सीमा पर दस्तावेज अधूरे पाए गए, जिससे उन्हें प्रवेश नहीं मिला। वापसी में केवल 46 गाड़ियां वापस आईं, जबकि 5 से 7 गाड़ियों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। लौटे वाहनों में से 390 गोवंश को जिले की विभिन्न गोशालाओं में भेजा गया, वहीं दो गोवंश की मौत होने पर पशु क्रूरता अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया।

गोभक्तों ने उठाया विरोध, हाईकोर्ट पहुंचे

कलेक्टर द्वारा वाहनों को 15 से 25 हजार रुपये के जुर्माने पर रिहा करने के आदेश के खिलाफ नवागांव निवासी लोकप्रिय पंचाल, मंदारेश्वर गोशाला के भुवनमुकुंद पंड्या और अन्य गोभक्तों ने आपत्ति जताई। हाईकोर्ट में अधिवक्ता मोती सिंह व पुष्पेंद्र त्रिपाठी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया कि राजस्थान गोवंश संरक्षण अधिनियम के तहत ऐसे मामलों में वाहन जब्त करने या बाजार मूल्य के बराबर जुर्माना लगाने का प्रावधान है। लेकिन प्रशासन ने इसका उल्लंघन करते हुए मामूली जुर्माना लगाकर गाड़ियों को छोड़ दिया। मृत गोवंश के बावजूद रिहाई, कोर्ट ने जताई नाराजगी याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि जिन गाड़ियों में गोवंश की मृत्यु हुई, उन पर भी सिर्फ 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाकर छोड़ने के आदेश दिए गए। यह न केवल अधिनियम की भावना के खिलाफ है, बल्कि तस्करों को संरक्षण देने जैसा कृत्य है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि कलेक्टर का आदेश प्रथमदृष्टया रद्द करने योग्य प्रतीत होता है। उन्होंने आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए कोतवाली, सदर और घाटोल थानों के अधिकारियों तथा कलेक्टर से मामले में विस्तृत जवाब मांगा है। कोर्ट ने साफ किया है कि जब तक सभी प्रतिवादी अपना जवाब प्रस्तुत नहीं करते, तब तक कलेक्टर के वाहन छोड़ने के आदेश की पालना नहीं की जा सकेगी।

राजसमंद में झमाझम : बाघेरी नाका पर सवा तीन फीट की चादर, नंदसमंद में आवक तेज, मचींद में कारें बही

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, राजसमंद। सावन का सोमवार पूरे मेवाड़ में तेज बारिश का दौर लेकर आया हैं। एक तरफ भोले बाबा के भक्तों की श्रद्धा बरस रही है तो दूसरी ओर झमाझम बारिश ने संभाग को तर कर दिया है। तेज बारिश ने सोमवार को राजसमंद जिले के मौसम को जहां राहत पहुंचाई, वहीं कई इलाकों में तबाही भी लेकर आई। जिले का बाघेरी नाका बांध जो सबके आकर्षण का केंद्र है, वहां पर सवा तीन फीट की पानी की चादर चलने लगी। खबर मिलते ही बडी संख्या में लोगों ने झरने को देखने के लिए वहां पर रूख किया है। प्रशासन यहां खास तोर पर अलर्ट है। पानी के पास पानी की गलती नहीं करें। यहां से पानी नंदसमंद बांध की ओर बढ़ रहा है, जिससे पानी की आवक में इजाफा हो गया है और जिले के सैकड़ों गांवों को जल संकट से राहत की उम्मीद बंधी है।

बांध छलका, बनास नदी से नंदसमंद की ओर बहाव

सोमवार सुबह 6 बजे तक बाघेरी नाका पर 1 फीट चादर चल रही थी, जो कुछ ही घंटों में बढ़कर 3.25 फीट हो गई। यह पानी बनास नदी के जरिए नंदसमंद बांध तक पहुंचता है। जानकारों के अनुसार यह इस वर्ष दूसरी बार है जब बाघेरी नाका छलका है। यह बांध जिले के 346 गांवों को पेयजल आपूर्ति का मुख्य स्रोत है।

देवगढ़ में सबसे ज्यादा 144 मिमी बारिश

बारिश का दायरा पूरे जिले में फैला रहा। सबसे ज्यादा वर्षा देवगढ़ में 144 मिमी दर्ज की गई। कुंभलगढ़ और खमनोर क्षेत्र में भी जोरदार बारिश हुई। बनोकड़ा गांव में तालाब ओवरफ्लो हो गया और वहां की पुलिया पर पानी आने से यातायात बाधित हो गया।

खमनोर के मचींद गांव में बाढ़ जैसे हालात

खमनोर क्षेत्र के मचींद गांव में सुबह 6 बजे के बाद अचानक पानी भर गया, जिससे सुथारों का मोहल्ला पूरी तरह जलमग्न हो गया। सड़क पर 4 से 5 फीट तक पानी भरने से 2 कारें बह गईं। गांव की राशन की दुकान, एक बैंक शाखा और कई अन्य दुकानों में पानी घुस गया। ग्रामीणों ने ऊंचे स्थानों पर शरण ली और बारिश थमने का इंतजार करते रहे। कुंभलगढ़ क्षेत्र में अलसुबह 3 बजे से शुरू हुई बारिश लगातार 6 घंटे तक चली। ओड़ा गांव में एक खेत से निकला पानी झरने की तरह बहता नजर आया। शहर के अंदर भी जलभराव की स्थिति बनी रही। बाघेरी नाका: राजसमंद का जल संकेतक हर साल मानसून में बाघेरी नाका बांध की स्थिति यह तय करती है कि जिले में पानी कितना भरेगा। इस बार की बारिश ने शुरुआती ही दिनों में बाघेरी नाका को छलका दिया है, जिससे उम्मीद है कि नंदसमंद बांध भी जल्द लबालब होगा। यह नजारा जहां किसानों और ग्रामीणों के लिए खुशी की खबर है, वहीं प्रशासन के लिए चुनौती भी, क्योंकि कई स्थानों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

डॉ. महेश आमेटा नेशनल आइकन अवार्ड 2025 से सम्मानित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 14 जुलाई / भारतीय युवा वेलफेयर एसोसिएशन, पर्यटन विभाग जम्मू कश्मीर सरकार एवं रक्षा मंत्रालय भारत नई दिल्ली की ओर से संस्कृत साहित्य वेद एवं ज्योतिष में उत्कृष्ट कार्य एवं प्रचार प्रसार के लिए राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के शोध सहायक डॉ. महेश आमेटा को केन्द्रीय मंत्री रामदास आठवलिया, रघुराज सिंह मिनिस्टर ऑफ लेबर एंड एंप्लॉयमेंट गवर्नमेंट ऑफ, उत्तर प्रदेश, सतीश चंद्र , फार्मर बेसिक एजुकेशन मिनिस्टर ऑफ गवर्नमेंट, उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री संग्रहालय, तीन मूर्ति मार्ग, न्यू दिल्ली में आयोजित समारोह में नेशनल आइकन अवार्ड 2025 से नवाजा गया। कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने डॉ. आमेटा को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना संस्थान के लिए गौरव की बात है।

शिव महापुराण कथा का समापनः पवन महाराज बोले – सत्संग से जीवन की समस्याएं होती हैं दूर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. श्याम सखी मंडल की ओर से टेकरी चौराहा स्थित श्री राज राजेश्वर मंदिर में आयोजित शिव महापुराण कथा का सोमवार को भावपूर्ण समापन हुआ। सावन के पहले सोमवार को हुए इस आयोजन में श्रद्धालु भक्तिभाव में लीन रहे। पवन महाराज ने कथा के समापन से पूर्व सत्संग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "कर्मों के फल तो सबको भोगने पड़ते हैं, लेकिन सत्संग और शिवकथा से जीवन की समस्याओं का सहज समाधान मिल सकता है।"

रुद्राक्ष की महिमा का विस्तार

पवन महाराज ने शिवपुराण में वर्णित 14 प्रकार के रुद्राक्षों की व्याख्या करते हुए बताया कि एकमुखी रुद्राक्ष शिव का प्रतीक है, जिसमें लक्ष्मी का वास होता है। उन्होंने कहा कि रुद्राक्ष शिवजी के नेत्रों से निकले जल से उत्पन्न हुए हैं। छहमुखी रुद्राक्ष को उन्होंने कार्तिकेय का स्वरूप बताया। शिव नाम के सुमिरन और रुद्राक्ष धारण करने से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। पूरे कार्यक्रम के दौरान "हर हर महादेव" और "भोलेनाथ की जय" के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। ईश्वर प्रेम आश्रम के कन्हैया महाराज ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी, जिन पर उपस्थित श्याम सखियों ने शिवभक्ति में झूमते हुए नृत्य किया।

सखियों ने किया भावुक विदाई सम्मान

कथा के समापन पर श्याम सखियों ने पवन महाराज का चरणवंदन कर भावभीने शब्दों में उनका स्वागत-सत्कार किया। इस अवसर पर अनेक सखियाँ भावुक हो गईं और "जय शिव शंकर, जय बम बम भोले" के स्वर गूंज उठे। मीडिया प्रभारी डॉ. बालकृष्ण शर्मा ने जानकारी दी कि मंडल की ओर से यह आयोजन प्रत्येक सावन में किया जाता है, जिसमें महिलाएं शिवभक्ति से जुड़ती हैं और भजन, नृत्य व कथा के माध्यम से शिवस्मरण करती हैं। महाराज जी ने सभी सखियों को शिवकृपा का आशीर्वाद प्रदान किया और निरंतर भक्ति-पथ पर अग्रसर रहने का संदेश दिया।

मददगार हिंदुस्तानी टीम ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. रविवार को उदयपुर के महाराणा भोपाल हॉस्पिटल स्थित ब्लड बैंक में मददगार हिंदुस्तानी टीम द्वारा एक प्रेरणादायक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में टीम के दर्जनों सदस्य रक्तवीर बनकर आगे आए और स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज सेवा की अनूठी मिसाल पेश की। इस अवसर पर रोटरी मीरा क्लब की सदस्य श्रीमती प्रियंका कोठारी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और टीम के इस प्रयास की सराहना की। कोऑर्डिनेटर राजेश सोनी ने जानकारी दी कि इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में टीम के सभी सदस्यों का अहम योगदान रहा। अनीस मंसूरी, बिलाल मंसूरी, अमन खान, शौकत हुसैन और सुरेश बुला सहित कई सदस्यों ने सेवाएं देकर आयोजन को व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया। मददगार हिंदुस्तानी टीम के संस्थापक मोहम्मद इस्लाम शेख अशरफी ने बताया कि यह शिविर टीम के कोऑर्डिनेटर राजेश सोनी की विवाह वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस शुभ अवसर को सेवा कार्य में बदलते हुए टीम के सभी रक्तवीरों ने न केवल रक्तदान किया बल्कि यह संदेश भी दिया कि किसी की मदद करना ही असली उत्सव है। टीम की ओर से महाराणा भोपाल ब्लड बैंक के डॉक्टरों और समस्त स्टाफ का आभार प्रकट किया गया। यह रक्त विशेष रूप से उन जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए दिया गया है जिनके पास रक्तदाता नहीं होते। ब्लड बैंक के डॉक्टरों और स्टाफ ने इस प्रयास को मानवता की दिशा में एक सराहनीय कदम बताते हुए सराहा।

परशुराम महादेव कुण्डधाम का झरना पूरे वेग से चला, रणकपुर बांध भी छलकने को आतुर

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, पाली। अरावली पर्वतमाला में रविवार रात से लगातार हो रही तेज बारिश के चलते परशुराम महादेव कुण्डधाम का झरना पूरी शक्ति और वेग से बहने लगा है। इससे जहां धार्मिक स्थल पर प्रकृति का सौंदर्य अपने चरम पर है, वहीं पर्यावरण और क्षेत्रीय जल स्रोतों के लिए भी यह सुखद संकेत है। झरने के पुनः सक्रिय होने से राजपुरा बांध में जलस्तर में भी वृद्धि देखी गई है।

कुण्डधाम की जलधारा से राजपुरा बांध को मिली नई ऊर्जा

परशुराम महादेव की गुफा के पास स्थित यह झरना आमतौर पर मानसून के दौरान ही सक्रिय होता है। इस बार भारी वर्षा से झरना पूरे वेग से बहने लगा है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के अनुसार, वर्षों बाद इतना प्रभावशाली बहाव देखने को मिला है। झरने का जल प्रवाह पास ही स्थित राजपुरा बांध की ओर जाता है, जिससे उसकी भराव क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजपुरा बांध न केवल खेती के लिए सहायक है, बल्कि क्षेत्र की जल आपूर्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नलवाणिया बांध हुआ ओवरफ्लो, रणकपुर भी लगभग लबालब

इसी क्रम में, सादड़ी क्षेत्र का प्रमुख नलवाणिया बांध सोमवार सुबह ओवरफ्लो हो गया। 54 मीटर लंबी दीवार पर पानी की चादर बहती देख लोग आनंदित हो उठे। 1979 में निर्मित यह बांध कस्बे की 30 हजार की आबादी को पेयजल आपूर्ति करता है। इसकी कुल भराव क्षमता 31 फीट है, जो अब पूरी तरह भर चुकी है। वहीं, रणकपुर जैन मंदिर के पास स्थित रणकपुर बांध का जलस्तर भी सोमवार सुबह 60 फीट तक पहुंच गया, जबकि इसकी भराव क्षमता 62.70 फीट है। धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण परशुराम महादेव कुण्डधाम में झरने का बहना न केवल श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, बल्कि यह क्षेत्र की पारिस्थितिकी और जल-संरचना के लिए भी शुभ संकेत है।

श्रावण के पहले सोमवार पर गूंजा हर-हर महादेव परशुराम महादेव गुफा मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, पाली। श्रावण मास के पहले सोमवार को पाली जिले के प्रसिद्ध परशुराम महादेव गुफा मंदिर में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। अरावली पर्वतमाला की 3955 फीट ऊंचाई पर स्थित इस प्राचीन गुफा मंदिर में अलसुबह से ही 'हर-हर महादेव' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम महादेव के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया।

पंचामृत से हुआ अभिषेक, सजे भोलेनाथ

सुबह 5 बजे मंदिर के महंत हरिहर पूरी गोस्वामी और मुख्य पुजारी कमलेश पूरी गोस्वामी द्वारा भगवान परशुराम महादेव का पंचामृत और गंगाजल से अभिषेक किया गया। इसके पश्चात पीतांबर वस्त्र, जनेऊ, आभूषण, केसर और चंदन से भगवान का दिव्य श्रृंगार किया गया। महाआरती के साथ मंदिर को पूरे 24 घंटे के लिए दर्शनार्थियों के लिए खोला गया है। अद्भुत प्राकृतिक शिवलिंग और गोमुख का चमत्कार मंदिर के गर्भगृह में स्थित प्राकृतिक शिवलिंग पर गुफा में बनी गोमुख से निरंतर जल की बूंदें गिरती हैं, जो शिवलिंग का स्वाभाविक जलाभिषेक करती हैं। यह दृश्य श्रद्धालुओं को अमरनाथ जैसा अनुभव कराता है। मंदिर के समीप स्थित परशुराम कुंड को पुष्कर तीर्थ के समकक्ष माना गया है। मान्यता है कि चारों धाम की यात्रा के बाद यहां के दर्शन से यात्रा पूर्ण मानी जाती है।

राजस्थान का अमरनाथः लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र

पाली जिले के सादड़ी कस्बे से 14 किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर राजस्थान का अमरनाथ कहलाता है। पौराणिक मान्यता है कि भगवान परशुराम ने स्वयं इस मंदिर की रचना की और यह उनकी तपोभूमि रही है। प्रतिवर्ष 10 से 15 लाख श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। कुंडधाम ट्रस्ट द्वारा मंदिर परिसर व पार्किंग स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। गुफा मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष गणेशसिंह परमार व व्यवस्थापक अंबालाल गुर्जर स्वयं व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी श्रद्धालु को असुविधा न हो।

आसपास के शिवालयों में भी शिवभक्ति की बयार

श्रावण सोमवार के अवसर पर मादा मंगलेश्वर महादेव, सेजिया महादेव, आखरिया महादेव, लीलेश्वर महादेव और परशुराम बगेची सहित आसपास के शिव मंदिरों में भी श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक व रुद्राभिषेक कर शिवभक्ति में लीनता दिखाई। मंदिरों में स्थानीय ट्रस्ट व ग्राम समितियों द्वारा सेवा शिविर और प्रसादी की व्यवस्थाएं की गईं।

पाली में आफत की बारिश : घरों में घुसा पानी, युवक की करंट से मौत, शहर हुआ ठप

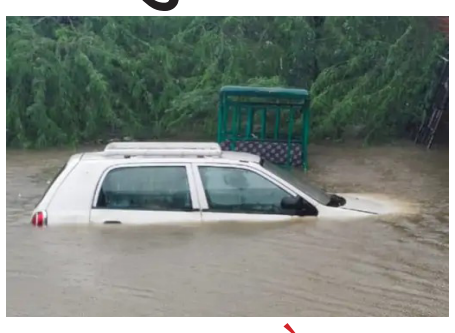

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, पाली। पाली शहर में रविवार रात तीन बजे से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। शहर के निचले इलाकों में भारी जलभराव के चलते हालात बाढ़ जैसे बन गए हैं। कई मोहल्लों में पानी घरों में घुस गया है और शहर की प्रमुख सड़कें नदियों में तब्दील हो गई हैं। बारिश के चलते प्रशासन को स्कूलों में अवकाश घोषित करना पड़ा है, वहीं दो ट्रेनों के मार्ग भी बदलने पड़े हैं। करंट से युवक की मौत, शहर में शोक शहर के अंबेडकर नगर में 35 वर्षीय कैलाश पुत्र उगमाराम की सुबह दूध लाते वक्त करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। कॉलोनी में भरे पानी में बिजली प्रवाहित हो गई थी, जिससे वह चपेट में आ गए। इस हादसे ने प्रशासनिक लापरवाही और विद्युत सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कॉलोनियों में जलभराव, गाड़ियां डूबीं वीडी नगर, आदर्श नगर, केशव नगर, गोकुलवाड़ी, बापू नगर, नया गांव रोड, रामदेव रोड और सिंधी कॉलोनी जैसे कई इलाकों में पानी घरों तक पहुंच चुका है। कई पॉश कॉलोनियों में घरों के बाहर खड़ी गाड़ियां डूब गई हैं। सिंधी कॉलोनी की तस्वीरों में लोग कमर तक पानी में फंसे दिखे। दुकान ढही, पिकअप पलटी, कारें बह गईं हैदर कॉलोनी में एक दुकान भारी बारिश के कारण गिर गई, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। विवेकानंद सर्किल पर एक पिकअप नाले में फंसकर पलट गई, जिससे ड्राइवर घायल हो गया। राजीव गांधी कॉलोनी में एक कार पानी में डूब गई।

सलूंबरः जिला कॉन्ट्रेक्टर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा 14 सूत्रीय ज्ञापन, अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों से सड़कों की बिगड़ती हालत पर भी जताई चिंता

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर। राज्य सरकार द्वारा संवेदकों की मांगों की लगातार अनदेखी के विरोध में जिला कॉन्ट्रेक्टर एसोसिएशन वृत उदयपुर सर्कल सलूंबर ने सोमवार को एक अहम बैठक आयोजित की। यह बैठक सा.नि.वि. खंड कार्यालय परिसर में सम्पन्न हुई, जिसमें जिले के सभी संवेदकों ने भाग लिया।

बैठक के पश्चात संवेदकों ने मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के नाम 14 सूत्रीय मांग पत्र अधीक्षण अभियंता के माध्यम से प्रेषित किया। प्रमुख मांगों में GST दर को 18% से घटाकर 12% करना, सीसी रोड की मेंटेनेंस अवधि को 10 वर्ष से घटाकर 5 वर्ष तथा डामर सड़क की अवधि 5 वर्ष से घटाकर 3 वर्ष करना, समय पर भुगतान सुनिश्चित करना, बिलों के लम्बे समय तक ट्रेजरी में अटके रहने की समस्या का समाधान, तथा तहसील सराड़ा में अधिशासी अभियंता कार्यालय की स्थापना शामिल हैं।

संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद्र औदीच्य, उपाध्यक्ष गोतमलाल पटेल, महासचिव महावीर कुमार जारोली, सचिव नंदलाल सुथार, देवीलाल पटेल, हिम्मत प्रजापत, भेरूलाल मेघवाल, एवं संरक्षक फतेहसिंह चौहान और बंशीलाल कलाल इस दौरान मौजूद रहे।

संवेदकों ने बताया कि राज्यभर में संयुक्त संवेदक महासंघ द्वारा निविदाओं का बहिष्कार 11 दिनों से जारी है, और यदि 15 जुलाई 2025 तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होता है, तो राज्यभर में सभी चालू निर्माण कार्य भी पूर्णतः बंद कर दिए जाएंगे।

इसके साथ ही बैठक में यह मुद्दा भी उठाया गया कि सलूंबर जिले में लगातार हो रहे अवैध खनन और उससे जुड़ी ओवरलोडिंग की वजह से क्षेत्र की सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रही हैं। संवेदकों ने आरोप लगाया कि कई वाहन क्षमता से अधिक सामग्री भरकर आवाजाही कर रहे हैं, जिससे निर्माण की गई सड़कें जल्दी टूटने लगती हैं। इससे न केवल सड़क की उम्र घटती है, बल्कि गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिह्न लगता है।

संवेदकों ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि राज्य सरकार तक मांगों को तुरंत भिजवाया जाए और अवैध खनन तथा ओवरलोडिंग पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और सड़कों की स्थायित्व बनी रहे।

फेसबुक पर फर्जी पहचान बनाकर खुद को बताया अमित शाह का ओएसडी, जयपुर में युवती से ठग लिए डायमंड गहने

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। सोशल मीडिया के जरिए खुद को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का ओएसडी बताने वाला एक शातिर ठग जयपुर पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। आरोपी ने अहमदाबाद की एक ज्वेलर युवती को अपने जाल में फंसाकर पहले डायमंड हार और ब्रेसलेट ठग लिए, फिर 15 लाख रुपए की मांग कर ब्लैकमेल करने लगा। आरोपी की पहचान 26 वर्षीय नीरज कुमार शर्मा निवासी हिंडौन सिटी (करौली) के रूप में हुई है, जो जयपुर के जवाहर सर्किल स्थित दुर्गा कॉलोनी में किराए से रहता था। आरोपी के खिलाफ जयपुर और सीकर में पूर्व में भी खुद को आरएएस और आईपीएस अधिकारी बताकर ठगी करने के मामले दर्ज हैं।

फर्जी आईडी, फर्जी प्रोफाइल, असली वारदात

डीसीपी (ईस्ट) तेजस्वनी गौतम के अनुसार, आरोपी ने 'दीपक शर्मा' नाम से फेसबुक पर प्रोफाइल बनाई और एक महीने पहले अहमदाबाद की एक ज्वेलरी व्यवसायी युवती से दोस्ती की। उसने खुद को गृह मंत्रालय में कार्यरत उच्च अधिकारी बताते हुए युवती को प्रभावित किया। यही नहीं, उसने यह भी दावा किया कि उसका भाई गोवा में आईपीएस अधिकारी है और पिता रिटायर्ड पुलिस अफसर। इस भरोसे के दम पर आरोपी ने युवती को तीन दिन पहले जयपुर बुलाया, जहां वह एक बिजनेस प्रोग्राम में शामिल होने आई थी। कार्यक्रम के बाद आरोपी ने युवती को जवाहर सर्किल मिलने बुलाया और धोखे से डायमंड हार व ब्रेसलेट ले लिए।

धमकी का खेल, बोला, मैं कुछ भी करवा सकता हूं

गहने मांगने पर आरोपी ने खुद को गृह मंत्रालय से जुड़ा बताते हुए धमकायाकृ "किसी को बताया तो उठवा दूंगा, मेरे रिश्तेदार सभी पुलिस में हैं।" इसके बाद आरोपी ने 15 लाख रुपए की डिमांड कर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। डरी-सहमी युवती ने आखिरकार हिम्मत कर जयपुर के एयरपोर्ट थाना पहुंचकर शनिवार रात को एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पहले भी आरएएस और आईपीएस अधिकारी बनकर ठगी कर चुका है। इस बार उसने सोशल मीडिया पर गुमराह करने वाली साजिश रची थी। पुलिस ने मोबाइल ट्रेस कर आरोपी को रविवार को दबोच लिया। उसके कब्जे से डायमंड ज्वेलरी और वारदात में इस्तेमाल एसयूवी जब्त कर ली गई है।

भ्रष्टाचार जिंदाबाद था, है और रहेगा : जयपुर में मेट्रो पिलर के पास बना 12 फीट गहरा गड्ढा, हादसे का खतरा बढ़ा

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। जयपुर जंक्शन के पास मेट्रो पिलर नंबर 148 के निकट सड़क अचानक धंसने से बड़ा गड्ढा बन गया है। यह क्षेत्र नगर निगम हेरिटेज के अधीन आता है, लेकिन तीन दिन बीत जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे हैं। लगातार नजरअंदाजी के चलते अब तक एक ही स्थान पर तीन अलग-अलग गड्ढे बन चुके हैं, जिनमें से एक करीब 10 से 12 फीट गहरा बताया जा रहा है। मौके पर ट्रैफिक पुलिस ने एकतरफा यातायात की व्यवस्था लागू कर दी है, लेकिन गड्ढों के आसपास कोई बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक या प्रकाश की व्यवस्था नहीं की गई है। बाइक और कारें गड्ढों के बिल्कुल पास से गुजर रही हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी हुई है। फिलहाल केवल एक ट्रैफिक जवान ट्रैफिक कंट्रोल कर रहा है। स्कूटी सवार गिरा, लोगों ने बचाई जान स्थानीय निवासी शक्ति के अनुसार, दो दिन पहले रात के समय एक स्कूटी सवार व्यक्ति इस गड्ढे में गिर गया था। आसपास के लोगों ने समय रहते उसे बाहर निकाल लिया, अन्यथा गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। उनका कहना है कि सड़क के नीचे सीवर लाइन कमजोर हो चुकी है और बढ़ते ट्रैफिक लोड के कारण यह बार-बार धंस रही है। करीब एक सप्ताह पहले भी इसी स्थान पर सड़क धंसी थी। तब नगर निगम ने मात्र मिट्टी डालकर अस्थायी मरम्मत की थी। पक्की मरम्मत न होने के चलते अब दोबारा बड़ा गड्ढा और दो छोटे गड्ढे बन गए हैं। अब निगम की गाड़ी तो आई है, लेकिन कोई वरिष्ठ अधिकारी अब तक मौके पर नहीं पहुंचा। यह क्षेत्र मेट्रो पिलर के बेहद करीब है। विशेषज्ञों का मानना है कि बार-बार हो रही जमीन धंसने की घटनाएं मेट्रो स्ट्रक्चर की स्थिरता के लिए भी खतरा बन सकती हैं। हालांकि इस दिशा में अभी तक किसी तकनीकी जांच की सूचना नहीं मिली है।

बच्चों और महिलाओं के लिए बना खतरा

गड्ढों को टेम्परारी तौर पर मिट्टी के कट्टों से ब्लॉक किया गया है, लेकिन राहगीर कृ खासकर छोटे बच्चे और महिलाएं कृ बिना सुरक्षा उपायों के उस इलाके से गुजर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह किसी बड़ी दुर्घटना को न्यौता दे सकता है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि जब तक गड्ढों की पूरी मरम्मत और सीवर लाइन की जांच नहीं होती, तब तक रास्ते को पूरी तरह से बंद किया जाए। साथ ही चेतावनी बोर्ड और बैरिकेडिंग लगाई जाए ताकि कोई अनजान व्यक्ति दुर्घटना का शिकार न हो।

फर्जीवाड़े की नस दबाते ही सामने आया मर्ज : RGHS विवादः निजी अस्पतालों की चेतावनी से बवाल, डॉक्टरों और हॉस्पिटल संगठनों में बंटी राय

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। राजस्थान में सरकारी कर्मचारियों के लिए चल रही राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (RGHS) को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। 15 जुलाई से प्रदेशभर में निजी अस्पतालों में इस योजना के तहत इलाज बंद करने की चेतावनी के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था में संकट की आशंका गहराने लगी है। जयपुर के कुछ अस्पताल संचालकों ने 'राजस्थान अलायंस हॉस्पिटल एसोसिएशन' बनाकर सरकार पर बकाया भुगतान का दबाव बनाया है, वहीं कई अन्य डॉक्टर और हॉस्पिटल संगठन इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी और हेल्थ डिपार्टमेंट के सूत्रों का कहना है कि कुछ निजी अस्पतालों ने RGHS के तहत बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा और गड़बड़ी की। सरकार की जांच में कई अस्पतालों पर भारी पेनल्टी भी लगाई गई है। अब इन्हीं पेनल्टी और कार्रवाई से बचने के लिए अस्पताल संचालक संगठन बनाकर इलाज रोकने की धमकी दे रहे हैं, जिससे सरकार और जनता पर दबाव डाला जा सके।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

जयपुर के शेखावाटी हॉस्पिटल के सर्वेश जोशी, राजस्थान हॉस्पिटल के सर्वेश अग्रवाल, अपेक्स हॉस्पिटल के सचिन झवर, मरुधर हॉस्पिटल के शिवराज सिंह राठौड़ समेत कुछ अस्पताल संचालकों ने मिलकर 'राजस्थान अलायंस हॉस्पिटल एसोसिएशन' बनाई। इस संगठन ने सरकार पर भुगतान रोकने का आरोप लगाते हुए RGHS योजना के तहत इलाज रोकने का ऐलान कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी इस मुद्दे को सोशल मीडिया पर उठाया, जिसके बाद मामला तूल पकड़ गया। डॉक्टर और अन्य संगठनों में विरोधाभास इस मुद्दे को लेकर प्राइवेट हॉस्पिटल्स की पुरानी यूनियन जैसे आईएमए, जेएमए और PHN-HS की बैठकों में राय कायम नहीं हो सकी। जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के मीडिया चेयरपर्सन डॉ. संजीव गुप्ता ने बयान जारी कर कहा — सरकार और कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के साथ मिलकर इलाज बंद करवाने की साजिश रची जा रही है। हम सरकार से दोषियों पर सख्त कार्रवाई और सही हॉस्पिटल्स का भुगतान जल्द करवाने की मांग करते हैं। वहीं प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. विजय कपूर ने RGHS योजना में भारी भ्रष्टाचार होने की बात स्वीकार करते हुए कहा — यदि सरकार के पास ठोस सबूत हैं तो दोषियों पर कार्रवाई करे, लेकिन ईमानदारी से इलाज कर रहे अस्पतालों को परेशान न किया जाए।

क्या हैं अलायंस की मांगे?

RGHS के तहत सभी भुगतानों का निपटारा 45 दिन के भीतर किया जाए। 31 मार्च 2025 तक के पुराने बिलों का तुरंत भुगतान किया जाए। घर पर मरीजों को इलाज और दवा लिखने की प्रथा खत्म की जाए। योजना के नियम स्पष्ट और जल्दी घोषित किए जाएं। अस्पष्ट नियमों के कारण क्लेम और भुगतान में की जाने वाली कटौती और पेनल्टी पर रोक लगे।

तेरी दो टकियां दी नौकरी : एमएलएसयू प्रशासन फिर चक्की पिसिंग एटीट्यूड पर, एक्सटेंशन के बदले 'टेंशन', हड़ताल का झमाझम मानसून

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में स्ववित्त पोषित सलाहकार मंडल-एसएफएबी के तहत कार्यरत कर्मचारियों ने एक बार फिर हड़ताल का रास्ता अपनाते हुए सोमवार को प्रशासनिक भवन के बाहर प्रदर्शन किया। चक्की पिसिंग एटीट्यूड एमएलएसयू प्रशासन का एक बार फिर से चालू हो गया है। बार बार हड़ताल, बार बार सरकारी आदेश, बार-बार वेतन रोकना, बार बार प्रयास कि किसी भी तरह से दो टकियां दी नौकरी जिसमें लाखों का काम होता है, उसे छीन लिया जाए। नौकरी को कटी पंतग बनाकर छोड़ दिया जाए। मगर बार-बार कर्मचारी संगठनों का संघर्ष का माद्दा दिखाकर झुकाना, नेताओं की बेरूखी, अपने लगने वाले संगठनों और का दगा, आश्वासनों के सब्जबाग, फिर-फिर हड़ताल का ऐलान। हर बार जीत कर भी हार जा और हार कर भी जीत जाना। लगता है जब इस आंदोलन का इतिहास लिखा जाएगा तब कई लोगों का नाम उसमें दर्ज होगा जिन्होंने वक्त रहते चुप्पी साध ली, उनका भी जिन्होंने अपनी राजनीतिक मजबूरियों के चलते अपनों से दगा किया। उपरी दबाव के चलते कर्मचारियों की उन जायज मांगों का साथ नहीं दिया जिनको वे अपने प्रभाव से मनवा सकते थे। उनका भी जिन्होंने अपने दिल्ली तक के रसूख के दम पर संघर्षशील मेवाड़ी मानुष को दबाने का असफल प्रयास किया। बहरहाल, कर्मचारी संगठन ने आज विरोध, नारेबाजी, प्रदर्शन के बाद कुलसचिव को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए जल्द समाधान की मांग की, अन्यथा आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। सुविवि प्रशासन ने हर बाद की तरह इस बार भी छल करते हुए कर्मचारियों को नए सत्र में बिना नया अपॉइंटमेंट दिए अधरझूल में छोड़ दिया है। हालांकि उनके पास दिसंबर तक काम करते रहने के राज्य सरकार के आदेश हैं लेकिन हठधर्मिता के चलते एक्सटेंशन ही नहीं दिया गया हैं। तनख्वाह बढ़ाना तो बहुत दूर की बात है।

कार्यादेश जारी करने की मांग

कर्मचारियों ने मांग की कि विश्वविद्यालय प्रशासन 1 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक की अवधि के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के आधार पर कार्यादेश तुरंत जारी करे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों से मानदेय में कोई वृद्धि नहीं हुई, जबकि महंगाई लगातार बढ़ रही है। ऐसे में 10 प्रतिशत वृद्धि तुरंत की जानी चाहिए।

महिला कर्मचारियों के लिए मातृत्व अवकाश

कर्मचारियों ने मांग की कि विश्वविद्यालय में कार्यरत महिला सेवा प्रदाताओं को मातृत्व अवकाश का लाभ पूर्व की तरह दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह न केवल उनका अधिकार है, बल्कि महिला सम्मान का विषय भी है। कर्मचारी संगठन ने यह भी मांग की कि श्रीमती किरण तंवर, जो पूर्व में विश्वविद्यालय में कार्यरत थीं, उन्हें पुनः कार्यादेश देकर न्याय दिलाया जाए।

दिवंगत कर्मचारी के परिवार को सहायता

कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय से अपील की कि दिवंगत कर्मचारी श्री प्रकाश नागदा के परिवार को न्याय दिलाते हुए उनके पुत्र या पत्नी को नियुक्ति प्रदान की जाए, ताकि परिवार का भरण-पोषण सुनिश्चित किया जा सके। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन में उपरोक्त सभी मांगों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। संगठन ने कहा है कि ये मांगे ना केवल कर्मचारियों की भलाई के लिए हैं, बल्कि मानवता और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से भी अत्यंत आवश्यक हैं। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन इन मांगों पर तत्काल निर्णय नहीं लेता, तो वे आंदोलन को अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल सकते हैं।

समर्पित शिष्य को गुरु के आशीष से सभी सिद्धियाँ प्राप्त होती है : जैनाचार्य रत्नसेन सूरीश्वर महाराज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 जुलाई। मालदास स्ट्रीट स्थित आराधना भवन में जैनाचार्य श्रीमद् विजय रत्नसेन सूरीश्वर महाराज की निश्रा में सोमवार को विविध आयोजन हुए । श्रीसंघ के कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया ने बताया कि आराधना भवन में चातुर्मासिक प्रवचन हेतु "श्री योगशास्त्र ग्रंथ" डॉ. शैलेन्द्र हिरण, नरेन्द्रजी सिंघवी, भोपाल सिंघवी एवं हेमंत सिंघवी तथा "भगवान महावीरस्वामी पट्टधर परंपरा ग्रंथ" प्रकाश रणजीत मेहता, राजेश जावरिया ने जैनाचार्यश्री को अर्पण किए। श्रीसंघ के कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया ने बताया कि रविवार को मालदास स्ट्रीट के नूतन आराधना भवन में जैनाचार्य श्रीमद् विजय रत्नसेनसूरीश्वर ने प्रवचन देते हुए कहा कि पानी की बुंद तो सर्वत्र एक समान होती है, परंतु पात्र के भेद से उसके अस्तित्व में भेद पड़ता है। पानी की एक बुंद जब तपे हुए लोहे के तवे पर गिरती है तब वह जलकर हवा में उड़ जाती है। वहीं बुंद यदि पर्वत पर गिरे तो योंही व्यर्थ चली जाती है। वहीं बंद यदि खेत में गिरती है तो वह सिंचाई में काम लगती है और वही पानी की बूंद सागर में मिलती है तो वह अक्षय बन जाती है। गुरु की कृपा भी सभी शिष्यों के प्रति समान होती है परंतु योग्यता के अनुसार शिष्य को उसका लाभ होता है। जो शिष्य गुरु के प्रति समर्पित रहता है उसे गुरु के द्वारा प्राप्त हुई सभी सिध्दियाँ प्राप्त हो जाती है। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के लगभग 1600 वर्ष के बाद और वर्तमान की अपेक्षा लगभग 900 वर्ष पूर्व जैन धर्म की प्रभावना करने वाले आचार्य श्री हेमचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. हुए। मात्र 9 वर्ष की उम्र में दीक्षा लेकर 84 वर्ष की उम्र तक जीवित रहे उन्होंने अपने जीवन में साढे तीन करोड श्लोक प्रमाण संस्कृत-प्राकृत ग्रंथों की रचना की है। उन्होंने अपने जीवन में गुजरात के दो-दो राजा, सिद्धराज जयसिंह और कुमारपाल राजा को प्रतिबोध करके जैन धर्म की सर्वश्रेष्ठ प्रभावना की थी। गुरु की कृपा को पाकर कुमारपाल राजा को जैन धर्म के आचार्यों को समझाने के लिए योग शास्त्र ग्रंथ की रचना की थी। कुमारपाल राजा ने धर्म के आचारों को जानकर 18 देशों में अहिंसा धर्म का पालन करवाया था। अध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र हिरण ने बताया कि 20 जुलाई को जैनाचार्य द्वारा संपादित "सिद्ध हेमचन्द्र शब्दानुशासनम्" भाग 1 से 4 का भव्य विमोचन एवं नमो श्रुतज्ञानं-नमो श्रुतज्ञानी का संगीतमय कार्यक्रम होगा। प्रतिदिन प्रातः 9.30 बजे प्रवचन होगे। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया, अध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र हिरण, नरेंद्र सिंघवी, हेमंत सिंघवी, भोपालसिंह सिंघवी आदि मौजूद रहे।

उदयपुर में मूसलाधार बारिश, टीडी डेम छलका, सबसे ज्यादा बारिश सलूंबर में, ओगणा में बोलेरो, झाड़ोल में दो युवकों को बहने से बचाया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार सुबह से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर और ग्रामीण अंचलों में नदियों के उफान पर आने और सड़कों के जलमग्न होने से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने उदयपुर जिले के लिए येलो अलर्ट, जबकि चित्तौड़गढ़ और राजसमंद के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

ओवरफ्लो हुआ टीडी डेम, उफनती नदियों ने बढ़ाई चिंता

अहमदाबाद हाईवे के पास स्थित टीडी डेम सोमवार सुबह बारिश के बीच छलक गया। डेम की भराव क्षमता 250 एमसीएफटी है और लगातार दो दिन से हो रही बारिश के चलते इसमें पानी की तेज आवक देखी गई। इसके साथ ही झाड़ोल क्षेत्र में बदराणा नदी के उफान पर आने से ओगणा-झाड़ोल मुख्य मार्ग अवरुद्ध हो गया है। नया पुल निर्माणाधीन है, जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सलूम्बर में सर्वाधिक 70 मिमी बारिश

जल संसाधन विभाग के अनुसार, सोमवार सुबह 8:30 बजे तक बीते 24 घंटों में उदयपुर जिले के सलूम्बर में सर्वाधिक 70 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सेमारी (67 मिमी), उदयसागर (65 मिमी), ओगणा (64 मिमी), चंद्रभागा (60 मिमी), जेतपुरा व नंदसमंद (60 मिमी) में भी भारी बारिश हुई। झाड़ोल में 47 मिमी, खेरवाड़ा में 34 मिमी और केजर में 32 मिमी बारिश दर्ज की गई।

स्कूलों में जलभराव, बस फंसी, छात्र हुए परेशान

वल्लभनगर के खेताखेड़ा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पानी भर गया, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को भारी दिक्कत हुई। ऋषभदेव और खेरवाड़ा क्षेत्र में छात्राएं छातों के सहारे स्कूल पहुंचती नजर आईं। वहीं मावली के बोयणा रेलवे अंडरब्रिज में आनंद विद्या भारती स्कूल की बस पानी में फंस गई, जिससे बच्चों में घबराहट फैल गई। राहगीरों ने ट्रैक्टर बुलाकर बस को सुरक्षित बाहर निकाला।

बोलेरो पुलिया पर फंसी, दो युवक बहे

रविवार शाम ओगणा-गोगुंदा मार्ग की पुलिया पर तेज बहाव के बीच एक बोलेरो चालक ने वाहन उतार दिया, जो बीच में बंद हो गया। ग्रामीणों की मदद से वाहन को पानी में धक्का देकर बाहर निकाला गया। वहीं झाड़ोल के वेलनिया गांव में दो युवक नदी में नहाते समय बह गए, जिन्हें कुछ दूरी पर सुरक्षित निकाल लिया गया।

खेतों में पानी, सड़कों पर घुटनों तक जलभराव

उदयपुर के समीप डबोक, मावली, घासा, पलाना सहित और आसपास के गांवों में सुबह से ही तेज बारिश का सिलसिला जारी रहा। खेत जलमग्न हो गए और सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। निचले इलाकों में रह रहे लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग की चेतावनी और प्रशासन की अपील

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में और अधिक बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे निचले इलाकों और बहाव वाले क्षेत्रों से दूर रहें और अत्यधिक सावधानी बरतें।

अन्य जिलों में भी बारिश का असर

भीलवाड़ा के चंद्रभागा में 60 मिमी, खारी बंध में 57 मिमी, गंगापुर में 54 मिमी बारिश हुई, जबकि अड़वार डैम, उमेदसागर और मेजा डैम में भी 15 से 24 मिमी तक वर्षा दर्ज की गई। जिले का औसत वर्षा आंकड़ा 27 मिमी रहा। चित्तौड़गढ़ में मातृकुंडिया में 51 मिमी, बसी डैम में 38 मिमी और ओरई डैम में 36 मिमी बारिश हुई।

राजसमंद जिले में नंदसमंद में 60 मिमी, राजसमंद में 47 मिमी और चिकलियावास में 32 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

शीर्ष 5 वर्षा वाले स्थान (14 जुलाई 2025):- सलूम्बर (उदयपुर) – 70 मिमी
सेमारी (उदयपुर) – 67 मिमी
उदयसागर (उदयपुर) – 65 मिमी, ओगणा (उदयपुर) – 64 मिमी चंद्रभागा (भीलवाड़ा) – 60 मिमी

औदिच्य ब्राह्मण समाज जावद वेलवडी मेवल बैठक का पहला प्रतिभावान सम्मान, 40 से अधिक छात्र-छात्राओं का सम्मान किया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 जुलाई। औदिच्य ब्राह्मण समाज जावद वेलवडी मेवल बैठक 16 गांव का पहला प्रतिभावान सम्मान समारोह रोड़दा गांव में हुआ। प्रतिभावान सम्मान समारोह में दसवीं और बारहवीं के 2023-24 से 2024-25 के बीच 70 प्रतिशत से अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसमें 40 से अधिक प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को औदिच्य समाज गौरव रत्न प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परशुराम भगवान की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई। कार्यक्रम बैठक अध्यक्ष मोहनलाल औदिच्य, उपाध्यक्ष शंकरलाल औदिच्य की अध्यक्षता में हुआ। प्रतिभावान सम्मान समारोह में विप्र फाउंडेशन के शिक्षा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष डॉ. एच आर दवे ने संबोधित करते हुए कहा की ब्राह्मण समाज के युवाओं को शिक्षा और राजनीति के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। पिछले कुछ सालों से ब्राह्मण समाज पिछड़ता जा रहा है। समाज को एक सही दशा और दिशा की जरूरत है। आज इस बात की आवश्यकता है कि हमारा जो ब्राह्मण वर्ण है, हम इसे हमेशा ऊपर रखें। दवे ने कहा कि ब्राह्मण समाज किसी न किसी ऋषि से जुड़ी हुई है। निश्चित रूप से उनका डीएनए हमारे अंदर है लेकिन हम महसूस न करते हुए विचलित हो रहे हैं। समाज के हर युवा का एक निश्चित मकसद होना चाहिए और उसी पर ध्यान देना चाहिए, इससे युवा भटकेगा नहीं। आगे बढ़ रहे समाज के हर बंधू की यह मंशा होनी चाहिए की वह जिस क्षेत्र में है उससे समाज को कुछ ना कुछ दे। शिक्षा, रोजगार और संस्कार, इसको ब्राह्मण समाज को नहीं भुलना चाहिए। कार्यक्रम में बैठक अध्यक्ष मोहनलाल औदिच्य, उपाध्यक्ष शंकरलाल, सचिव नारायण सेवक, विप्र फाउंडेशन शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेशअध्यक्ष डॉ. एच आर दवे, उपाध्यक्ष दूर्गेश, निलेश चौबीसा, हंसमुख औदिच्य सहित समाजजन मौजूद थे। यह जानकारी बैठक उपाध्यक्ष प्रेमशंकर शर्मा रोड़दा ने दी

40 से अधिक प्रतिभावानो का हुआ सम्मान

औदिच्य ब्राह्मण समाज जावद वेलवडी मेवल बैठक के पहले प्रतिभावान सम्मान समारोह में करीब 40 से अधिक प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया।

सरकारी पद पर दे रहे सेवा, और सेवानिवृत्तों का भी किया सम्मान

प्रतिभावान सम्मान समारोह में औदिच्य समाज के गौरव का भी सम्मान किया गया जो वर्तमान में किसी न किसी विभाग में सरकारी पद पर सेवा दे रहे हैं। इसी के साथ सरकारी पद से सेवानिवृत्त हुए का भी सम्मान हुआ। जिन्होंने 20 बार से अधिक रक्तदान किया उन रक्तवीरो का सम्मान हुआ। हर वर्ष आयोजित होगा प्रतिभावान सम्मान समारोह - औदिच्य ब्राह्मण समाज जावद वेलवडी मेवल बैठक 16 गांव की और से छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करने के लिए हर वर्ष प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित होगा। जिसमें हौसला अफजाई के साथ ही आगे बढ़ने की राह बताई जाएगी।

तीर्थकरों की स्तुति जीवन को सरस, सुंदर, समृद्ध बनाती हैः: साध्वी जयदर्शिता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 जुलाई। तपागच्छ की उद्गम स्थली आयड़ जैन मंदिर में श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के तत्तवावधान में कच्छवागड़ देशोद्धारक अध्यात्मयोगी आचार्य श्रीमद विजय कला पूर्ण सूरीश्वर महाराज के शिष्य गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद विजय कल्पतरु सुरीश्वर महाराज के आज्ञावर्तिनी वात्सलयवारिधि जीतप्रज्ञा महाराज की शिष्या गुरुअंतेवासिनी, कला पूर्ण सूरी समुदाय की साध्वी जयदर्शिता श्रीजी, जिनरसा श्रीजी, जिनदर्शिता श्रीजी व जिनमुद्रा श्रीजी महाराज आदि ठाणा की चातुर्मास सम्पादित हो रहा है। महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि सोमवार को आयड़ तीर्थ के आत्म वल्लभ सभागार में सुबह 7 बजे साध्वियों के सानिध्य में ज्ञान भक्ति एवं ज्ञान पूजा, अष्ट प्रकार की पूजा-अर्चना की गई। सभी श्रावक-श्राविकाओं ने जैन ग्रंथ की पूजा-अर्चना की। इस दौरान आयोजित धर्मसभा में साध्वी जयदर्शिता श्रीजी ने प्रवचन में बताया कि प्रभु का नाम हृदय को पवित्र बनाता है, शीतलता और शान्ति प्रदान करता है। तीव्र ज्वर में कोई सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रख दे तो कितनी शान्ति मिलती है, इसी प्रकार संसार की दावाग्नि से संतप्त प्राणी के लिए भगवान का नाम ही सहारा है। तीर्थकरों के नाम सुमिरण के साथ जीवन-दर्शन से हमारे जीवन की दिशा और दशा परिवर्तित हो जाती है। दर्पण चेहरे के दाग दिखाता है, और तीर्थकरों का जीवन दर्पण हमारे अन्तर के दोषों को दिखाते हैं। तीर्थकरों की स्तुति जीवन को सरस, सुंदर, समृद्ध और पूर्ण बनाने का अद्वितीय साधन है। तीर्थकरों की स्तुति से, स्मरण से, कीर्तन से भी हम जो चाहे वह पा सकते हैं।

इस अवसर पर कुलदीप नाहर, भोपाल सिंह नाहर, राजेन्द्र जवेरिया, प्रकाश नागोरी, दिनेश बापना, अभय नलवाया, कैलाश मुर्डिया, चतर सिंह पामेच, गोवर्धन सिंह बोल्या, सतीश कच्छारा, दिनेश भण्डारी, रविन्द्र बापना, चिमनलाल गांधी, प्रद्योत महात्मा, रमेश सिरोया, कुलदीप मेहता आदि मौजूद रहे।

सकल श्रीसंघ वर्षीतप मंडल द्वारा सामूहिक पारने हुए आयोजित, 54 वां पारणा सआनंद हुआ सम्पन्न

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा 12 जुलाई/ सकल श्रीसंघ वर्षीतप मंडल द्वारा आयोजित सामूहिक पारणा कार्यक्रम के अन्तर्गत शनिवार को सभी 50 वर्षीतप आराधको को आज 54वां पारणा कराया गया। पारणा स्थल चन्दनबाला भवन मे सकल श्रीसंघ वर्षीतप मंडल द्वारा आयोजित सामूहिक पारणा उत्साहपूर्वक करवाए गए। कार्यक्रम के तहत मण्डल के अखिलेश जैन, कोस्तुभ डांगी, अतुल कुमार सेठिया, महावीर सिंघवी, कुलदीप नाहर, देवेंद्र सालेचा, समेत कई सदस्यों की उपस्थिति में सभी आराधको को पारणे कराये गये। आज के पारना के लाभार्थी श्रीमति प्रेमबाई स्व श्री रतनसिंहजी पारख, शेरसिंह, पारसमल, दिलीप, ललित, मनोज, प्रकाश, पक्षाल, मोक्ष पारख परिवार एवं अभयकुमार, वर्धमान, समरथमल, अभिषेक, मोक्षित परमार परिवार का रहा आज की प्रभावना का लाभ भी पारख एवं परमार परिवार की और से रही आज सकल श्रीसंघ वर्षीतप मंडल द्वारा पारख एवं परमार परिवार का बहुमान किया गया इस अवसर पर समाजजन हीरालाल धींग, भोपालसिंह बोडाना , राजेश जेतावत, रिचिन लुक्कड़, अनूप मेहता, हरमेश सिंघवी, सुरेश बोडाना, सागरमल रांका, नयन चंडालिया, राकेश बोडाना, हर्ष कीमती, गोतम जैन, रिची जैन, दिवेश कटारिया, ऋतिका कीमती, लता डांगी, पुष्पा धींग, सुहानी सेठिया, पूर्वी डांगी एवं पारख परिवार से राजेश, पंकज पारख, एवं सीमा, कविता, मोनिका, माया, रचना पारख, एवं परमार परिवार से ऋषभ कुमार, सुरेंद्र कुमार, गुणबाला, शकुंतला, अमृता, पवित्रा , खुशबू परमार द्वारा भी सेवाएं दी गई।

पारणा पश्चात सभी तपस्वियों की अनुमोदना कर सुख साता पूछी गई। सभी तपस्वियों द्वारा एवं पारख एवं परमार परिवार द्वारा भी सुंदर व्यवस्था के लिए अनुमोदना करी गई।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।